प्रकाशन नियमावली

निर्वाण इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल (एन.आई.आर.जे.) में आपका हार्दिक स्वागत है। यह एक अंतरानुशासनिक, विशेषज्ञों द्वारा पूर्व-समीक्षित, द्वि-भाषी (अंग्रेजी एवं हिंदी) शोध केन्द्रित छमाही ई-पत्रिका है जो दुनिया भर के विद्वानों और अध्ययनकर्ताओं के मध्य ज्ञान एवं विचार-विनिमय हेतु एक मंच प्रदान करने के लिए समर्पित है। हमारा प्रयास रहता है कि हम पत्रिका के माध्यम से प्रसिद्ध उत्कृष्ट विद्वानों के वैविद्यतापूर्ण विचारों को एक मंच पर ला सकें एवं विभिन्न वाद-संवाद के विषयों पर बौद्धिक विचार-विमर्श के उपयुक्त अवसर उपलब्ध करा सकें। हम केवल उच्च गुणवत्तायुक्त शोध संबंधी लेखन को प्रकाशित करने हेतु प्रतिबद्ध हैं और हमारा सम्पादन मण्डल यह सुनिश्चित करने के लिए अथक श्रम करता है ताकि प्रत्येक लेख सावधानीपूर्वक संपादित हो सके और तथ्यों की जाँच पूर्ण पारदर्शिता के साथ की जा सके। हमारा लक्ष्य लेखकों व पाठकों के मध्य सार्थक विमर्श और संवाद को बढ़ावा देना है, साथ ही ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास करना है जहाँ विचारों को स्वतंत्र और सम्मानपूर्वक व्यक्त किया जा सके।

शोध आलेख का प्रारूप

निर्वाण इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल (एन.आई.आर.जे.) में शोध आलेख भेजने से पूर्व शोध आलेख प्रारूप का ध्यान रखें–

- शोध आलेख का शीर्षक
- शोधार्थी का नाम, विभाग एवं संस्थान का नाम, ई-मेल एवं मोबाइल नंबर
- शोध सारांश जो 250 शब्दों से अधिक न हो
- बीज शब्द
- मूल शोध आलेख
- निष्कर्ष

- **संदर्भ सूची** (लेखक का नाम, प्रकाशन वर्ष, पुस्तक का नाम, प्रकाशक का स्थान, प्रकाशक का नाम, पृष्ठ संख्या)

शोध आलेख के नियम

- **भाषा** – अंग्रेजी अथवा हिंदी
- **फॉन्ट**- अंग्रेजी, टाइम्स न्यू रोमन (फॉन्ट साइज़ 12)
  हिंदी, यूनिकोड-मंगल (फॉन्ट साइज़ 09)
- केवल एमएस-वर्ड में टंकित किए हुए आलेख ही स्वीकृत किए जाते हैं। (बिना प्रूफ-रीड किये अपना लेख मेल न करें। प्रूफ-रीड की भारी कमी रहने की स्थिति में आपका लेख बिना किसी सूचना के अस्वीकृत कर दिया जाएगा।)
- हस्तलिखित अथवा ई-मेल में टंकित किया हुआ लेख न भेजें। इस माध्यम से भेजे गए लेख बिना किसी सूचना के अस्वीकृत कर दिये जाएंगे।
- अपना लेख/शोध-आलेख न्यूनतम 2000 से अधिकतम 5000 शब्दों में ही भेजें ।
- अपने शोध आलेख को एक ही ई-मेल में एमएस-वर्ड एवं पीडीएफ दोनों रूपों में भेजें।
- आलेख प्राप्ति की सूचना का अर्थ प्रकाशन के लिए स्वीकार होना नहीं होगा, अतः लेख के समीक्षित (पीअर रिव्यू) के पश्चात ही लेख को स्वीकार/अस्वीकार किया जायेगा।
- लेख के पीअर रिव्यू होने के पश्चात सुझाव/बदलावों तथा लेख को अन्तिम रूप देने के लिए ई-मेल का यथासमय पर उत्तर देकर अंक के समय पर प्रकाशित होने में सहयोग प्रदान करें।
- एक अंक में प्रकाशित करने के लिए एक ही विधा में आलेख भेजें।
- अपने लेख को केवल nirj@nirwanuniversity.ac.in पर ही भेजें।

- सम्पादकीय मंडल अथवा परामर्श मण्डल के ई-मेल पते पर भेजा गया लेख प्रकाशन हेतु विचारणीय नहीं होगा।
- ई-मेल में लेख के साथ स्वघोषित मौलिकता प्रमाण पत्र भेजना अनिवार्य है।
- जिन व्यक्तियों ने पत्रिका की स्थाई सदस्यता ले रखी है उनके लेखों को ही प्राथमिकता दी जायेगी।

नोट: किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्यायक्षेत्र जयपुर न्यायालय रहेगा।